

मालचा महल

दिल्ली सरकार द्वारा 14वीं सदी के स्मारक मालचा महल (Malcha Mahal) का जीर्णोद्धार किया जाएगा।



मालचा महल के बारे में:

- 1325 ईस्वी में तत्कालीन सुलतान फरीज शाह तुगलक द्वारा इसका निर्माण कराया गया तथा लंबे समय तक इसका उपयोग हंटिंग लॉज (Hunting Lodge) के रूप में किया गया।
- बाद में यह अवध के नवाब के वंशजों का निवास स्थान बन गया।
- ऐसा माना जाता है कि अवध की बेगम वलियात महल के नाम पर इसे 'वलियात महल' कहा जाने लगा, उन्होंने दावा किया कि वह अवध के शाही परिवार की सदस्य थीं। उन्हें वर्ष 1985 में सरकार द्वारा महल का स्वामित्व प्रदान किया गया था।
- वर्ष 1993 में बेगम द्वारा आत्महत्या करने के बाद मालचा महल उनकी बेटी सकीना महल और बेटे राजकुमार अली रज़ा (साइरस) के स्वामित्व में आ गया। वर्ष 2017 में राजकुमार की मृत्यु हो गई तथा उनकी मृत्यु से कुछ वर्ष पहले उनकी बहन का देहांत हो चुका था।

फरीज शाह तुगलक:

- इसका जन्म 1309 ईस्वी में हुआ था और अपने चचेरे भाई मुहम्मद-बनि-तुगलक के नधिन के बाद यह दिल्ली की गद्दी पर बैठा था।
- यह तुगलक वंश का तीसरा शासक था जिसने 1320 ईस्वी से 1412 ईस्वी तक दिल्ली पर शासन किया था। मुहम्मद-बनि-तुगलक 1351 ईस्वी से 1388 ईस्वी तक सत्ता में रहा।
- इसने ही जजिया कर लगाने की शुरुआत की थी।
 - जजिया' या 'जीज्या' का तात्पर्य राज्य के सार्वजनिक व्यय हेतु नधि प्रदान करने के लिये इस्लामी कानून द्वारा शासित राज्य के स्थायी गैर-मुसलमि वषियों पर वित्तीय प्रभार के रूप में प्रत्येक वार्षिक कराधान से है।
- इसने सशस्त्र बलों में उत्तराधिकार के सिद्धांत को लागू किया जहाँ अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के बाद अपने बच्चों को उस स्थान पर सेना में भेजने की अनुमति थी। हालाँकि उन्हें भुगतान, वास्तविक मुद्रा की बजाय ज़मीन के रूप में किया जाता था।
- अंगरेजों द्वारा उसे 'सचिई विभाग का जनक' कहकर संबोधित किया गया क्योंकि उसने कई बगीचे और नहरों का निर्माण करवाया था।

तुगलक वंश:

- तुगलक वंश तुर्क मूल के मुसलमि परिवार से संबंधित था। मुहम्मद-बनि-तुगलक द्वारा सैन्य अभियान का नेतृत्व किये जाने के परिणामस्वरूप 1330-1335 ईस्वी के बीच यह राजवंश अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया।

- इसका शासन यातना, करूरता और वदिरोहों द्वारा चहिनति कयिा गया था, जसिके परणामस्वरूप 1335 ईस्वी के बाद इस वंश की कषेत्रीय पहुँच का तेज़ी से वघिटन हुआ ।
- तुगलक वंश में तीन महत्त्वपूर्ण शासक थे- गयासुद्दीन तुगलक (1320-1325 ईस्वी), मुहम्मद-बनि- तुगलक (1325-1351 ईस्वी) और फरीज शाह तुगलक (1351 से 1388 ईस्वी) ।
- गयासुद्दीन तुगलक इस वंश का संस्थापक था ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/malcha-mahal>

